बरेली, सोमवार
3 मार्च 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण inext
PAGE NO : 04 MIDDLE

आत्म ज्ञान से ही मिलता है सच्चा सुख

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (2 March): एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को रुबरू थिएटर ग्रुप की ओर से संगीतमय नाटक तांडव का मंचन किया गया. नाटक का संदेश है कि जब तक हम खुद को पूरी तरह से पहचान नहीं पाते, हम सच्चे सुख और संतोष को नहीं पा सकते. नाटक सिखाता है कि दुनिया की तमाम दौलत और पहचान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपने भीतर के सत्य को समझें और उसे अपनाएं. इस नाटक में सत्य केवल बाहरी दुनिया का नहीं, बल्कि व्यक्ति के भीतर का होता है, और यही सबसे बड़ा कार्य है खुद को पहचानना. रजनीश कुमार गुप्ता लिखित और काजल सूरी निर्देशित यह नाटक तांडव में कई पारंपरिक सामाजिक और पारिवारिक तरीकों से भगवान शिव का जश्न मनाता है. तांडव नृत्य ही है जो सभी पात्रों को भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से जोड़ता है. नाटक में पारिवारिक मूल्यों के माध्यम से दर्शकों से जुड़ने का प्रयास किया गया. जो मुख्य पात्रों

कलाकारों ने नाटक का किया मंचन.

भवानी (मां), माधव (पुत्र) और मृगनयनी के इर्द-गिर्द घूमता है और उनके रिश्तों के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है. मृगनयनी नृत्य को लेकर भावुक है और इसी में पारंगत होकर अपना स्थान बनाना चाहती है. वह माधव को नृत्य सीखने की चुनौती देती है. माधव अपनी मां भवानी से नृत्य सिखाने का आग्रह करता है. पारिवारिक दबाव में नृत्य करना छोड़ चुकी भवानी बेटे के प्यार के आगे झुक जाती है और उसे 'तांडव' सिखाती है. नृत्य में पारंगत होकर माधव अब मृगनयनी की तलाश करता है और उसे राजा के दरबार में नृत्य करते हुए पाता है. यह देख माधव का दिल टूट जाता है और वह खुद को ढूंढने और अपने अस्तित्व के उद्देश्य को पहचानने के लिए आत्म-खोज की यात्रा पर निकल जाता है. उधर मृगनयनी को एहसास होता है कि जैसे-जैसे वह अपनी महत्वाकांक्षाओं की ओर बढ़ती है.